स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता पखवाड़ा

Swachhta Pakhwada

May 16 - 31, 2017

प्रतिवेदन

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF PLANT HEALTH MANAGEMENT
Rajendranagar, Hyderabad - 500 030, Telangana

निष्पादित क्रियाकलापों की सूची
16 से 31 मई, 2017 तक

दिनांक	क्रियाकलाप
16-5-2017	महानिदेशक, एनआईपीएचएम द्वारा सभी कर्मिचारियों को शपथ दिलाना
17-5-2017	पूराने फर्नीचरों, उपकरणों, मशीनरी/सामग्रियों आदि की पहचान करना।
18-5-2017	'नये पहल किये गये कोम्पोस्टिंग/जैविक ठोस प्रबंधन' पर व्याख्यान
19-5-2017	पेपरलेस कार्यालय के क्रियान्वयन एवं ई-अपशिष्ट सामग्रियों के निपदान संबंधी प्रोटोकॉल' विषय पर व्याख्यान
20-5-2017 To 23-5-2017	एनआईपीएचएम में खरपतवारों को हटाने एवं सफाई कार्य
	एनआईपीएचम के आवासीय परिसर में सफाई गतिविधियां
	एनआईपीएचएम होस्टलों में सफाई गतिविधियां
24-5-2017	अमदपुर गॉव में किसानों के लिए 'कीटनाशक कंटेनरों के उचित निपटान' एवं 'एनआईपीएचएम विकसित कृषि उपकरणों के प्रदर्शन' संबंधी जागरूकता कार्यक्रम
25-5-2017	पूराने रिकॉर्डों की साफ-सफाई करने/छँटनी हेतु विशेष अभियान
26-5-2017	मेदीपल्ली गॉव में किसानों के लिए "घरेलू पीड़कों एवं कृंतक प्रबंधन" पर जागरूकता कार्यक्रम
27-5-2017	पूराने रिकॉर्डों की रिकॉर्डिंग/छँटनी हेतु विशेष अभियान जारी
28-5-2017	एनआईपीएचम कार्यालय एवं आवासीय क्षेत्रों में स्थित ओवरहेड टंकियों की सफाई
29-5-2017	1. निबंध लेखन एवं चित्रकारी प्रतियोगिताएं 2. एनआईपीएचएम परिसर में वृक्षारोपण
30-5-2017	**"रसोईघर, घरों के अपशिष्ट (कचरा) सामग्रियों के प्रबंधन"** से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम
31-5-2017	समापन कार्यक्रम

दिवस-1 : 16-5-2017

श्रीमती जी.जयालक्ष्मी, भा.प्र.से. महानिदेशक, एनआईपीएचएम द्वारा "स्वच्छता शपथ" दिलाना

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान ने 16 से 31 मई, 2017 तक की अवधि के दौरान 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया। एनआईपीएचएम में स्वच्छता पखवाडा का आरंभ 16 मई, 2017 को सुबह 9.30 बजे श्रीमती जी. जयलक्ष्मी, भा.प्र.से. महानिदेशक, एनआईपीएचएम द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाने एवं उनके स्वच्छता के संदेश के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर, महानिदेशक ने हमारे दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व के साथ कार्यालय परिसरों जैसे : पुराने रिकॉर्डों की साफ-सफाई, पेपरलेस कार्यालय/ई-कार्यालय, किसानों में कृंतक प्रबंधन हेतु जागरूकता फैलाने आदि के बारे में बतलाया। महानिदेशक ने कर्मचारियों से कहा 'स्वच्छता भक्ति से बढ़कर है' और उन्होंने सफाई कर्मियों के अच्छे कार्यों के लिए उनकी सराहना की तथा भविष्य में भी कार्यालय में इस तरह की साफ-सफाई रखने की प्रतिबद्धता दुहरायी। उन्होंने सभी लोगों को इधर-उधर कचरा ने फेंकने की सलाह दी एवं सभी कर्मचारी स्वच्छता के बारे में जागरुकता लाने के लिए कार्य स्थलों, घरों आदि के लिए कुछ पहल करें।

कार्यक्रम के दौरान, श्रीमती चंचला देवी, रजिस्ट्रार, एनआईपीएचएम द्वारा स्वच्छता पखवाडा के दौरान 16 से 31 मई, 2017 तक दिवसवार आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के एजेंडों/गतिविधियों को उपस्थित सभी अधिकारियों के समक्ष संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत किया गया था।

कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर, सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान गतिविधियों में भाग लिया एवं एनआईपीएचएम भवन के आसपास के घास-फूसों को साफ किया। एनआईपीएचएम के सभी भवनों के कॉरिडोरों की सफाई की गई। संगठित समिति सदस्यों ने कॉरिडोरों का निरीक्षण किया एवं साथ ही सीढ़ियों के नीचे रखे कुछ बेकार/इस्तेमाल न किये हुए वस्तुएं पाये गये थे। इन वस्तुओं को हटाकर जगह को साफ किया गया।

दिवस-2: 17-5-2017

पुराने फर्नीचर, उपकरण, मशीन/सामग्री आदि की पहचान

स्वच्छता पखवाड़े के हिस्से के तौर पर, सभी प्रभागों ने पुराने फर्नीचरों, उपकरणों, मशीनों/वस्तुओं की पहचान हेतु एक विशेष अभियान का संचालन किया एवं इस अभियान के दौरान पुराने फर्नीचरों, उपकरणों/सामग्रियों आदि की पहचान की गई है। इन सामग्रियों की आवश्यक मरम्मत एवं निपटान करने का कार्य भंडार अनुभाग को सौंपा गया है।

दिवस-3: 18-5-2017

'कोम्पोस्टिंग/जैविक अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नई पहलों' पर व्याख्यान

दिनांक 18.5.17 को एनआईपीएचएम में सुबह 10.15 बजे महात्मा गांधी मिनी ऑडिटोरियम में 'कोम्पोस्टिंग/जैविक अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम हेतु नई पहलों' पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एनआईपीएचएम के कर्मचारियों में अपशिष्ट पदार्थों से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों एवं अपशिष्ट पदार्थों के रिसाइक्लिंग से लाभों के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरूआत में श्रीमती चंचला देवी, रजिस्ट्रार ने महानिदेशक, एनआईपीएचएम एवं अतिथि वक्ता की स्वागत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती जी.जयलक्ष्मी, भा.प्र.से., महानिदेशक, एनआईपीएचएम द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में एनआईपीएचएम के वरिष्ठ अधिकारी, सभी कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थीगण उपस्थित थे।

श्री लिंगराज जांगवन, वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), ईक्रिसेट को इस कार्यक्रम में जैविक अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया था। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को प्रस्तुति द्वारा कोम्पोस्टिंग के विभिन्न पहलूओं जैसे : कोम्पोस्टिंग हेतु इस्तेमाल किये जाने वाले विभिन्न विधियों/संरचनाओं, जैव इनोक्यूलेंट्स एवं रॉक फास्फेट के साथ कोम्पोस्ट तैयार करने हेतु उपयोग किये जाने वाले विभिन्न प्रजातियों के केंचुएं, शहरी अपशिष्ट पदार्थों के कोम्पोस्टिंग आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दिया।

<table>
<tr><td>
</td><td> </td></tr>
<tr><td>महानिदेशक संदेश देते हुए</td><td>एनआईपीएचएम अधिकारी व्याख्यान सुनते हुए</td></tr>
<tr><td> </td><td>
</td></tr>
<tr><td>अतिथि वक्ता व्याख्यान देते हुए</td><td>वर्मिकोम्पोस्टिंग विधियों की प्रस्तुती</td></tr>
</table>

व्याख्यान के बाद, मौजूदा वर्मिकोम्पोस्टिंग इकाई के पास कोम्पोस्टिंग विधि पर भागीदारी व्यवहारिक प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। एनआईपीएचएम परिसर से कोम्पोस्ट बनाने के लिए सामग्री जैसे : गेंहूं के तिनके, सूखे घास, मूँगफली के छिलके, बेकार सब्जियां एवं सूखी पत्तियां संग्रहित की गई थी एवं कोम्पोस्ट तैयार करने से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को चरणबद्ध तरीके से एनआईपीएचएम कर्मचारियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। महानिदेशक, निदेशक एवं रजिस्ट्रार एवं सभी अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रियता के साथ कोम्पोस्टिंग गतिविधि में भाग लिया।

<table>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td>अपशिष्ट प्रबंधन का फील्ड प्रदर्शन</td><td>अपशिष्ट प्रबंधन का फील्ड प्रदर्शन</td></tr>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td>अपशिष्ट प्रबंधन का फील्ड प्रदर्शन</td><td>अपशिष्ट प्रबंधन का फील्ड प्रदर्शन</td></tr>
</table>

दिवस-4: 19-5-2017

"पेपरलेस कार्यालय के क्रियान्वयन" एवं "ई-कचरा के निपटान हेतु प्रोटोकॉल" विषय पर व्याख्यान

एनआईपीएचएम ने 'पेपरलेस कार्यालय के क्रियान्वयन' एवं ई-कचरा के निपटान हेतु प्रोटोकॉल' विषयों पर व्याख्यान का आयोजन किया।

शीर्षक : 1: पेपरलेस कार्यालय के क्रियान्वयन :

डॉ. वाई.एस. मूर्ति, तकनीकी निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान-केन्द्र (एनआईसी), हैदराबाद ने **पेपरलेस कार्यालय के क्रियान्यवन'** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ई-कार्यालय के क्रियान्वयन पर बल देते हुए अन्य सरकारी संस्थानों जैसे : जीएचएमसी हैदराबाद, सीजीजी में सफलतापूर्वक निपटान किये जाने के बारे मे बतलाया। साथ ही उन्होंने इससे होने वाले लाभों जैसे पैसे की बचत, उत्पादकता में मजबूती लाने, दस्तावेज तैयार करने एवं आसानी से सूचनाओं के आदान-प्रदान करने तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा दिये जाने के बारे में जानकारी दी।

विषय 2 : ई-कचरा का निपटान :

श्रीमती अन्नपूर्णा, प्रधान प्रणाली विश्लेषण, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र(एनआईसी)-हैदराबाद ने **'ई-कचरा के निपटान हेतु प्रोटोकॉल'** से संबंधित विषय पर व्याख्यान दी। उन्होंने बतलाया ई-कचरों का उचित तरीके से निपटान नहीं करने पर मानव के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए खतरा है। इसलिए, उन्होंने ई-कचरों के उचित प्रबंधन एवं समुचित तरीके से निपटान करने की आवश्यकताओं पर बल दिया। ताकि, इससे उत्पन्न होने वाले खतरों एवं बीमारियों की रोकथाम से मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को बचाया जा सके।

एनआईपीएचएम के सभी स्टाफ सदस्यों ने व्याख्यान कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में कर्मचारियों को ई-कचरों के निपटान करने सहित पर्यावरण मुद्दे से संबंधित विषयों के बारे जानकारी प्रदान की गई।

दिवस-5, दिवस-6, दिवस-7 एवं दिवस-8 [20, 21, 22, & 23 मई 2017]

'स्वच्छता पखवाड़ा' के दौरान संस्थान में निष्पादित निम्नलिखित गतिविधियां :

- एनआईपीएचएम परिसर से घासफूस हटाना
- एनआईपीएचएम के आवासीय परिसर में सफाई गतिविधि
- एनआईपीएचएम हॉस्टलों में सफाई कार्य

निर्धारित अवधि के दौरान चार दिनों में उक्त कार्यों का निष्पादन किया गया। इस अभियान में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रियाता से भाग लिया।

निष्पादित कार्यों के दृश्य

वीडिंग/सफाई से पूर्व चित्र

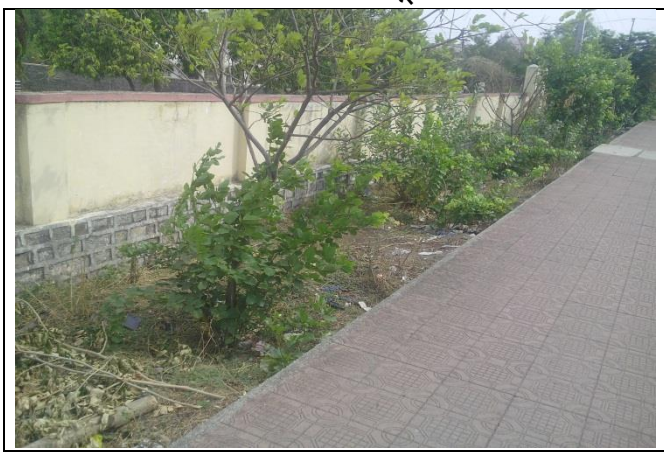

वीडिंग/सफाई के बाद चित्र

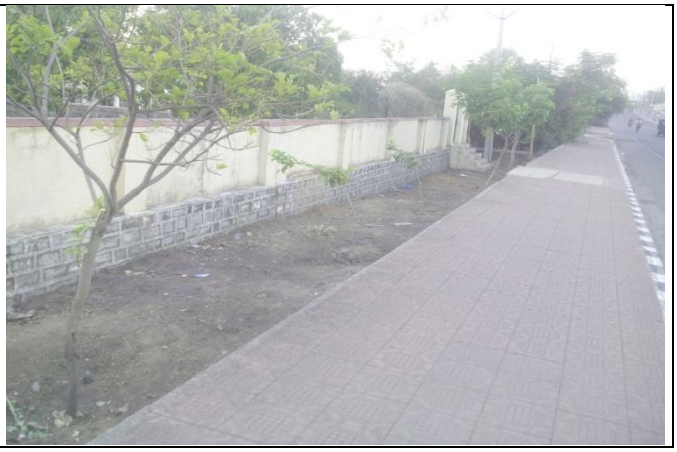

दिवस-9: 24-5-2017

"कीटनाशक कंटनरों के उचित निपटान" एवं "एनआईपीएचएम विकसित कृषि उपकरण के प्रदर्शन" से संबंधित किसान हेतु जागरूकता कार्यक्रम

किसानों में कीटनाशक कंटेनरों के उचित निपटान एवं एनआईपीएचएम द्वारा विकसित कम लागत वाले कृषि उपकरणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से, एनआईपीएचएम के वरिष्ठ अधिकारियों(निदेशक-पीएचएम, निदेशक-पीएमडी, संयुक्त निदेशक-पीएचएम, रजिस्ट्रार) एवं संबंधित संकाय के सदस्यों ने दिनांक 24.05.2017 को अमदपुर गॉव, मोईनाबाद मण्डल, रंगारेड्डी जिला, तेलंगाना का दौरान किया। उन्होंने किसानों को सुरक्षित कृषि एवं उनके वित्तीय क्षमता के अनुसार विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में गॉव के प्रेसिडेंट एवं 40 किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न तकनीकों एवं विधियों को प्रदर्शित कर किसानों को जानकारी प्रदान किये गये।

1. वर्मिन कृमियों के इस्तेमाल के बगैर अपघटन विधि द्वारा कृषि अपशिष्ट सामग्रियों के बारे में बताना।
2. इस्तेमाल के बाद कीटनाशक कंटेनरों का उचित तरीके से निपटान करने।
3. सब्जियों में पीड़कनाशी अवशेषों को कम करने की विधियों के बारे में।
4. एनआईपीएचएम द्वारा विकसित कृषि उपकरणों का प्रदर्शन।

दिवस -10 एवं दिवस-12 [25 & 27 मई 2017]

पूराने रिकॉर्डों के रिकॉर्ड करने/साफ-सफाई करने हेतु विशेष अभियान

स्वच्छता पखवाड़े के एक हिस्से के तौर, एनआईपीएचएम में पूराने रिकॉर्डों की सूची (रिकॉर्ड)तैयार करने/साफ-सफाई के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया था। सभी प्रभागों ने पुराने रिकॉर्डों की पहचान की एवं इससे संबंधित विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। तद्नुसार, पहचान किये गये रिकॉर्डों को रिकॉर्ड कक्ष में भेजा दिया गया है एवं मौजूदा फाइलों को भी साफ किया गया।

दिवस -11: 26-5-2017

"घरेलू पीड़कों एवं कृंतक प्रबंधन" संबंधी किसान हेतु जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 26.05.17 को मेदीपल्ली गॉव, आर आर जिला, तेलंगाना में घेरलू कृंतक पीड़क प्रबंधन एवं घरेलू भंडारण अनाज पीड़क प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

1. श्रीमती जी.जयलक्ष्मी, भा.प्र.से., महानिदेशक सहित एनआईपीएचएम के निदेशकों एवं संबंधित संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

2. महानिदेशक, एनआईपीएचएम ने कार्यक्रम के दौरान किसानों को सफाई की महत्ता के साथ एनआईपीएचएम द्वारा कृषक समुदायों को प्रदान किये जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के बारे में बतलाया।

3. घरों में कृंतकों (चुहों) की समस्याओं, उनसे होने वाले संक्रमित रोगों, सफाई की भूमिका, घरों एवं कृषि-पारिस्थितिक-तंत्र में चुहों को नियंत्रित करने हेतु सम्मिलित विधियों के बारे में विस्तृत सूचनाएं दी गई।

4. घरेलू पीड़कों, भंडारण पीड़कों विशेष तौर पर उन पीड़कों जो अनाजों, दालों को क्षति पहुंचाते हैं, के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराये गये थे। किसानों को रोकथाम प्रबंधन से संबंधित उपायों जैसे : संग्रहण करने से पहले अनाजों को सुखाने, संग्रहण स्थलों को स्वास्थ्यकर एवं हवादार बनाने एवं उचित पैंकिग विधियों के बारे में बतलाया गया। किसानों को प्राकृतिक विधियों का उपयोग करते हुए भंडारण पीड़कों को नियंत्रित करने के लिए भी बताया गया था।

5. किसानों को प्रदर्शनों जैसे : विभिन्न चुहा ट्रेप, स्नेप ट्रेप, बुटा ट्रेप, वंडर केज दिखलाया गया था एवं इससे संबंधित उन्हें मार्गदर्शन दिया गया। किसानों को जीवित कीटों को दिखलाया गया एवं इससे होने नुकसानों के बारे में बतलाया गया था।

6. इस जागरूकता कार्यक्रम में मेदीपल्ली गॉव के पुरूष एवं महिला किसान सहित लगभग 100 किसानों ने सक्रियता से भाग लिया।

दिवस-13 : 28-5-2017

एनआईपीएचएम कार्यालय एवं एनआईपीएचएम के आवासीय क्वार्टरों में स्थित में ओवरहेड पानी टंकी की सफाई

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एनआईपीएचएम आवासीय स्टाफ क्वार्टरों में लगभग 35 ओवरहेड पानी टंकियों की सफायी की गई।

सफाई से पूर्व चित्र	सफाई के बाद चित्र

दिवस-14: 29-5-2017

एनआईपीएचएम के परिसर के भीतर एवं परिसर के चारों ओर वृक्षारोपण

स्वच्छता पखवाड़े के एक हिस्से के तौर पर, दिनांक 29.05.2017 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा एनआईपीएचएम परिसर के भीतर एवं परिसर के चारों ओर वृक्षारोपण किया गया। पर्यावरण हितैषी परिसर को

बढ़ावा देने के लिए कृषि फील्ड क्षेत्र के अलावा, एनआईपीएचएम परिसर में पपीता फल के लगभग 45 सैम्पलिंग लगाये गये थे।

कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन एवं बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता

दिनांक 29-05-2017 को एनआईपीएचएम के स्टाफ सदस्यों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं उनके बच्चों के लिए पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। स्टाफ सदस्यों एवं उनके बच्चों ने प्रतियोगिताओं में सक्रियता से भाग लिये। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देने के साथ अन्य सभी प्रतिभागियों को भी सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।

दिवस-15: 30-5-2017

“रसोईघरों एवं घरों के कचरा प्रबंधन” संबंधी जागरूकता कार्यक्रम

30 मई, 2017 को एनआईपीएचएम आवासीय क्वार्टरों में निवास कर रहे एनआईपीएचएम के कर्मचारियों एवं उनके परिवार सदस्यों के लिए घरेलू कचरा प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ग्रेटर हैदरबाद नगरपालिका निगम(जीएचएमसी), हैदराबाद से आये

सफाई निरीक्षण श्री अनजानेयूलू एवं अन्य अधिकारियों ने परिसर में कचरे को अलग करने की तरीकों, बायोडिग्रेडेबल एवं नॉनडिग्रडेबल वस्तुओं के संग्रहण आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर, महानिदेशक, एनआईपीएचएम ने एनआईपीएचएम क्वार्टरों के निवासियों को डिग्रेडेबल एवं नॉनडिग्रेडेबल (अर्थात् भीगा एवं सूखा कचरा) को अलग रखने के लिए दो बाल्टियां (हरा एवं लाल) वितरित की। महानिदेशक ने सभी निवासियों से अनुरोध किया कि वे क्वार्टर एवं इसके आसपास क्षेत्रों को साफ रखें।

यह भी निर्णय लिया गया कि एनआईपीएचएम क्वार्टरों से प्रतिदिन संग्रहित अपशिष्ट(कचरा)पदार्थों में से बायोडिग्रेडेबल वस्तुओं को कोम्पोस्टिंग गड्ढा में रख कर रिसाइकिल किया जाएगा एवं जीएचएमसी के कर्मी नॉनडिग्रेडेबल कचरे को प्रतिदिन क्वार्टर से लेकर जाएंगे।

दिवस -16 : 31-5-2017

स्वच्छता पखवाड़ा 2017 का समापन समारोह

एनआईपीएचएम में स्वच्छता पाखवाड़ा के दौरान पखवाड़े के लंबे समारोह के लिए दिनांक 31.05.2017 को समापन समारोह का आयोजन किया गया था। रजिस्ट्रार, एनआईपीएचएम ने पिछले दिनों के 15 कार्यक्रम के दौरान निष्पादित सभी क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से बतलाया एवं सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे एक स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर भारत को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। रजिस्ट्रार, एनआईपीएचएम ने श्रीमती जी. जयलक्ष्मी, भा.प्र.से., महानिदेशक, एनआईपीएचम को स्वच्छता, जबरदस्त समर्थन और मार्गदर्शन के लिए अपनी विशेष रूचि लेने एवं प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया, जिसके कारण सभी कर्मचारी ने उत्साह और जोश के साथ इसे एक मिशन के रूप में लिया एवं सफलतापूर्वक क्रियान्वयन भी किया।

श्रीमती जी.जयलक्ष्मी, भा.प्र.से., महानिदेशक, एनआईपीएचम ने कर्मचारियों को सम्बोधित किया एवं अनुरोध किया कि पिछले पखवाड़े के दौरान जिस तरह से एनआईपीएचएम परिसर को साफ रखने में आपने योगदान दिया है, ठीक उसी तरह आगे भी लगन एवं मेहनत के साथ अपना योगदान देते रहें। उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर वरिष्ठ अधिकारियों, रजिस्ट्रार एवं कर्मचारियों के प्रयासों एवं योगदानों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

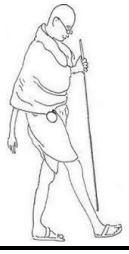

towards, cleanliness…..